मुंबईकरों को जल्द मिलेगी मेट्रो-3

स्टेशन कंस्ट्रक्शन हो या लाइन बिछाने का काम, सब हो रहा पूरा

■ मुंबई, नवभारत न्यूज नेटवर्क. जिस तरह से मुंबई मेट्रो-3 का काम तेजी सी आगे बढ़ रहा है उसे देखकर ऐसा लगता है कि यह प्रोजेक्ट समय समय पर पूरा हो जाएगा. मेट्रो के अधिकारियों की देखरेख में लगातार काम फुल स्पीड में किया जा रहा है और ऐसा लगता है कि मानसून को आते देख इसमें और तेजी लाई जा रही है. एमएमआरसी के अनुसार, फेज-1 के तहत आने वाली आरे से बीकेसी चलने तक के मेट्रो का काम 88.2% जबकि फेज 2, जिसके तहत बीकेसी से कफ परेड तक के स्टेशन शामिल हैं, उसका काम काम 77.3% पूरा हो गया है. 31 मई तक के मेट्रो-3 के प्रोग्रेस का अपडेट देते हुए एमएमआरसी ने एक संदेश जारी कर बताया कि फेज 1 में स्टेशन और टनल का काम 97.8%, ओवरऑल स्टेशन निर्माण का कार्य 93.4%, ओवरऑल प्रणाली का काम 66.7%, मेन लाइन के ट्रैक का काम 89.5% और ओसीएस का काम 58.6 % पूरा हुआ है. तो वहीं फेज 2 में स्टेशन और टनल का काम 95.5%, ओवरआल स्टेशन निर्माण का कार्य 88.7%, ओवरआल सिस्टम का काम 43.3%, मेन लाइन के ट्रैक का काम 46.9% और ओसीएस का काम 46. 8% पूरा हुआ है. अभी कुछ दिन पहले ही मेट्रो-3 के संचालन और रखरखाव का ठेका दिल्ली मेट्रो रेल कॉरपोरेशन (डीएमआरसी) को दे दिया है, जिसकी अवधि 10 साल की होगी. इसमें ऑपरेशन कंट्रोल सेंटर, डिपो कंट्रोल सेंटर, स्टेशन, रनिंग ट्रेन, ट्रेनों का रखरखाव और सभी मेट्रो सिस्टम इंफ्रास्ट्रक्चर का प्रबंधन और यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करना शामिल है.

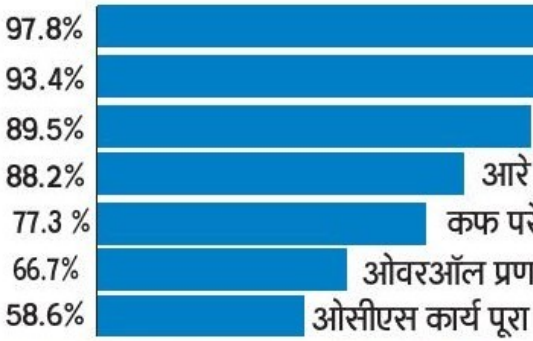

दिसंबर 2023 के अंत तक पूरा

मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने पिछले हफ्ते जब मेट्रो-3 के काम का जायजा लिया था, तब उन्होंने कहा था कि इस प्रोजेक्ट का लगभग 90% पूरा हो चुका है और मेट्रो रेलवे का यह चरण दिसंबर 2023 के अंत तक पूरा हो जाएगा. मुख्यमंत्री ने विश्वास व्यक्त किया कि परियोजनाएं समय पर पूरी हो जाएंगी.

2 चरणों में किया जा रहा है मेट्रो-3 का काम

पहले चरण में आरे से बीकेसी तक का काम किया जा रहा है, जिसमें कुल 10 स्टेशन हैं, जिनमें से 9 अंडरग्राउंड और एक ओवरग्राउंड है. 12.44 किमी लम्बा रूट के पहले चरण का कुल 87.2% काम पूरा हो गया है. दूसरे चरण में बीकेसी से कफ परेड तक का काम है, इसमें कुल 17 स्टेशन है और इनके बीच की दूरी दूरी 21.35 किमी है. यह रूट लगभग जून 2024 में शुरू होगा. यह मेट्रो-3 रेलवे यात्रियों के समय की बचत करेगी.

कुल 27 स्टेशन

डीएमआरसी देश की अग्रणी मेट्रो ऑपरेटिंग कंपनियों में से एक है, जिसे मुंबई की पहली भूमिगत मेट्रो लाइन के संचालन और रखरखाव के लिए चुना गया है. इस कोलाबा-बांद्रे-सिप्ज का रूट 33.5 किमी लम्बा है, जिसमें 27 स्टेशन हैं, जिनमें से 26 भूमिगत हैं और एक भूमिगत है. यह मार्ग प्रमुख व्यावसायिक और रोजगार केंद्रों, अस्पतालों, शैक्षणिक संस्थानों, धार्मिक स्थलों, मनोरंजक सुविधाओं के साथ-साथ कालबादेवी, गिरगांव, वर्ली, अंतरराष्ट्रीय और घरेलू हवाई अड्डों जैसे उपनगरीय रेल से जुड़े क्षेत्रों को कनेक्टिविटी प्रदान करेगा.